फिनले मिल शुरू कर श्रमिकों को उनका बकाया वेतन दें

सांसद नवनीत राणा की कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी से दिल्ली में चर्चा

संवाददाता, 18 सितंबर

अचलपुर/परतवाड़ा- अचलपुर की जीवनदायनी कही जाने वाली फिनले मिल फिर शुरू किये जाने को लेकर दिल्ली में कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी से चर्चा हुई. मुलाकात के दौरान फिनले कामगारों को ही रही भारी आर्थिक परेशानी से मंत्री महोदया को परिचित कराया गया.

अचलपुर-मेलघाट क्षेत्र में यह एकमात्र उद्योग है, जिसमें करीब 1000 मजदूर अपना उदरनिर्वाह करते हैं. लोगों के जान-माल से खिलवाड़ न हो, इसलिये बढ़ते कोरोना संक्रमण के कारण केन्द्र व राज्य सरकार ने सभी उपक्रम बंद करने की घोषणा की थी. उत्पादन बंद के दौरान मिल प्रबंधन ने आधा ही वेतन श्रमिकों को दिया. इंटक (राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ) ने विरोध करते हुए आधा वेतन स्वीकार किया. बताया गया कि फिनले का यह यूनिट अत्याधुनिक है.

बंद के दौरान भी यंत्र-सामग्री का रखरखाव रोजाना किया गया. कंप्यूटर के माध्यम से मशीनों की कमांड भी रोजाना अपडेट होती रही है. मिल पर बाहर का कोई कर्ज नहीं है. अभी की हालत में फिनले के पास डेढ़ महीने का कच्चा माल उपलब्ध होने से इस मिल को तकनीकी रूप से शुरू करने में कोई दिक्कत नहीं है. मजदूर काफी समय से घर पर बैठे हैं. कोरोना से लड़ने के लिये मजदूरों का आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है.

केन्द्र सरकार के ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट में फिनले का समावेश होने के बाद भी मिल का बंद रहना चिंताजनक बात है.

कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने सांसद महोदया को आश्वासन दिया कि कामगारों के हित में सकारात्मक कदम उठाते हुए जल्द ही योग्य निर्णय लिया जायेगा. आपने कहा कि श्रमिकों को न्याय मिलने और मिल में उत्पादन शुरू होने तक मैं अपने प्रयास जारी रखूंगी.

अधूरे कामों से त्रस्त युकां ने किया चक्का जाम

पूर्व विधायक वीरेन्द्र जगताप की मध्यस्थता से आंदोलन रद्द

संवाददाता,18 सितंबर

धामणगांव रेलवे- सड़क का निर्माण कार्य करते समय नियम के अनुसार आधी सड़क यातायात के लिए खुली रखी जाती है और आधे हिस्से में निर्माण कार्य जारी रहता है. धामणगांव-अंजनसिंगी मार्ग के चौड़ाईकरण का काम गत कई माह से जारी है. 15 किमी तक की पूरी सड़क खुदवाकर रखे जाने से परिसर के 10-12 गांवों के लोगों को परेशानी हो रही है. ठेकेदार के अधूरे कामों से त्रस्त आम नागरिकों की तरफ से युवक कांग्रेस ने अंजनसिंगी-धामणगांव रोड पर ढाकुलगांव में चक्का जाम आंदोलन कर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया. पूर्व विधायक प्रा. वीरेंद्र जगताप की मध्यस्थता से अधिकारियों द्वारा नागरिकों को परेशानी नहीं होने देंगे, इस तरह का लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद आंदोलन रद्द किया गया.

अधूरी अवस्था में निर्माणाधीन सड़क के कारण जान हथेली पर लेकर वाहन चलाना पड़ता है. बारिश के पश्चात कीचड़ होने से अनेक वाहन फिसलकर दुर्घटनाएं हो रही हैं. सड़क चौड़ाईकरण के नाम पर सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों का कत्ल किया जा रहा है. इन सब बातों का विरोध करने तथा सड़क जल्द पूरी करने की मांग पर तहसील युवक कांग्रेस की ओर से गुरुवार को ढाकुलगांव में पूर्व विधायक वीरेंद्र जगताप के नेतृत्व में कड़ी धूप में सड़क पर 6 घंटे चक्का जाम आंदोलन किया गया.

धामणगांव-अंजनसिंगी मार्ग के चौड़ाईकरण का काम शुरु से चर्चा में रहा है. सड़क के दोनों ओर खुदाई करने से वाहन चलाना मुश्किल हो गया है. सड़क निर्माण की गति व अधूरा निर्माण कार्य वाहन चालकों की नाराजगी की वजह बन गई है. चक्का जाम आंदोलन में युकां प्रदेश उपाध्यक्ष परिक्षित जगताप, पंस पूर्व सभापति पंकज वानखड़े, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नितिन कनोजिया, कृषि उपज मंडी के पूर्व सभापति श्रीकांत गावंडे, मुकेश राठी, विट्ठल सपाटे, अज्जू पठान, उमेश झीबड़, अमोल कडू, युकां शहर अध्यक्ष आशीष शिंदे, पराग कडू, संजय गाड़े, ऋषि जगताप, कैलास वानखड़े, शरद वानखड़े, दिनेश जगताप, वैभव म्हात्रे, हेमंत कडू, डॉ. पुनसे, विनित टाले सहित अनेक युकां कार्यकर्ता सहभागी हुए थे. तहसीलदार भगवान कांबले, लोकनिर्माण विभाग की अधीक्षक अभियंता अरूंधती शर्मा, उपविभागीय अभियंता गणेश रंभाड, कुऱ्हा के पुलिस थानेदार सचिन जाधव उपस्थित थे. लोनिवि अधीक्षक अभियंता अरूंधती शर्मा के लिखित आश्वासन के बाद चक्काजाम आंदोलन पीछे लिया गया.

बारिश में सड़क बन जाती है फिसलपट्टी : निर्माणाधीन पुल बारिश के बाद बंद हो जाते हैं. कच्ची सड़क पर बारिश से कीचड़ मच कर वाहन फिसलने के कई मामले सामने आए हैं, जिससे दुर्घटना का डर हर पल बना रहता है. इसी वजह से धामणगांव-अंजनसिंगी मार्ग पर वाहन फिसल रहे हैं. ऐसे में सामने से आनेवाले वाहन के नीचे आकर बड़ा हादसा होने की संभावना निर्माण हुई है.

सैकड़ों हरे पेड़ों पर चली कुल्हाड़ी

सड़क चौड़ाईकरण के नाम पर सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों का कत्ल किया जा रहा है. एक पेड़ काटने पर 3 पौधे लगाने के नियम पर अमल किया जाएगा या नहीं, इस ओर वृक्ष प्रेमियों की नजरें लगी हुई हैं. कुछ माह पूर्व दोनों ओर घने पेड़ों से सजी सड़क आज वीरान नजर आ रही है. वृक्ष कटाई के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है. विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई करने पर कब रोक लगेगी? किसी भी सड़क का बजट बनाते समय पर्यावरण को पहुंची हानि के बदले में पर्यावरण संतुलन का प्रबंध करना पड़ता है. यहां पर वह कैसे किया जाएगा, इसकी उत्सुकता लोगों में लगी है.

कछुआ गति से बन रही सड़क

शुरू से इस सड़क का काम धीमी गति से चल रहा है. इसी वजह से सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो रहा है. अधूरी सड़क से परिसर के नागरिकों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है.

नो मास्क, नो पेट्रोल-डीजल

अकोला-वाशिम जिला पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन का उपक्रम

अकोला, प्रतिनिधि, 18 सितंबर- अकोला शहर व जिले में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मरीजों को देखते हुए सभी पेट्रोल पंप पर बिना मास्क के आनेवाले वाहन धारकों को 'नो मास्क, नो पेट्रोल' यह उपक्रम चलाने का निर्णय अकोला-वाशिम जिला पेट्रोल असोसिएशन द्वारा लिया गया है. अकोला पुलिस ने इस उपक्रम को अपना समर्थन दिया है. असोसिएशन व पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से जिले में चलाई जाने वाली इस मुहिम में सभी वाहन धारकों व नागरिकों ने सहयोग करने की अपील अकोला वाशिम-पेट्रोल डीजल असोसिएशन द्वारा की गई है. आज अकोला जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर नो मास्क, नो पेट्रोल इस मुहिम की शुरूआत की गई. अशोक वाटिका चौक स्थित वजिफदार पेट्रोल पंप से इस उपक्रम का आरंभ किया गया. इस अवसर पर अकोला यातायात विभाग के पुलिस निरीक्षण गजानन शेलके, अकोला वाशिम जिला पेट्रोल डीजल असोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाशसिंह ठाकुर, पदाधिकारी नरेश अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, गुरुपालसिंग नागरा, प्रभजीतसिंह सहानी, हेमंत आनंदानी, राजेश चावला, दिपक म्हैसने, सुरेश वानखड़े, श्रीकांत रामटेके आदि उपस्थित थे. यह मुहिम पूरे शहर व जिले में चलाई जानेवाली है. नागरिकों ने कोरोना से बचाव के लिए शासन के निर्देशों का पालन करने की अपील अकोला जिला पुलिस अधिक्षक जी. श्रीधर तथा पेट्रोलियम डीलर्स असोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा की गई है.

माफी की मांग कर जलाई बिजली बिलों की होली

अंजनगांव में मनसे का बिजली कार्यालयों पर हल्लाबोल

संवाददाता,18 सितंबर

अंजनगांव सुर्जी- कोविड-19 के कहर से लागू किए लॉकडाउन से अधिकांश नागरिक बेरोजगार होकर कंगाल हो गए हैं.

रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है. उसी में महावितरण ने हजारों के बिल भेजकर नागरिकों के घाव पर नमक छिड़का है. महावितरण की इस तुगलकी नीति का विरोध करते हुए मनसे ने बिजली बिलों की होली जलाकर अंजनगांव के बिजली कार्यालय पर हल्लाबोल किया. बार-बार बिजली बिल माफी की मांग करने पर भी उस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तुरंत बिजली बिल माफ नहीं किया गया तो मनसे द्वारा उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी मनसे ने दी. पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र गायगोले, सुधाकर फुलउंबरकर, नितिन चौखंडे, मनोज मंडवे के नेतृत्व में किए गए इस आंदोलन में देवेंद्र हाडोले, मारूती बालापुरे, दीपक भावे, राजू टेकाड़े, अक्षय चौखंडे, दीपक पालखड़े, प्रशांत तुलखड़े, निखिल साहू, संदीप झामरे, राजू मेन व सैकड़ों मनसैनिक सहभागी हुए थे. महावितरण के खिलाफ लगाए गए नारों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दे रही थी.

टिकटॉक के धागे ने बांधा शादी का बंधन

वीडियो देखा और युवक के प्यार में हुई दीवानी

संवाददाता,18 सितंबर

आर्वी- प्यार का रंग कुछ अलग ही होता है. किसी को कब किसी से प्यार हो जाएगा, यह बताना मुश्किल है. प्यार को ना राज्य की सीमा का बंधन, ना ही जात-पात की सीमाएं बांध सकती हैं. एक युवक ने टिकटॉक पर भेजा वीडियो मध्यप्रदेश निवासी युवती को इतना पसंद आया की वह उस युवक के प्यार में दीवानी हो गई. आखिर दोनों शादी के बंधन में बंध गए. स्थानीय मालगण वार्ड निवासी मिलिंद अजाबराव मेहरे युवक को नृत्य व अभिनय के वीडियो टिकटॉक पर डालने का शौक था. उसके अभिनय का वीडियो मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव तहसील की डोंगरगांव निवासी लताशा चव्हाण नामक युवती ने देखा. उसे लाइक कर लताशा ने मिलिंद का टिकटॉक अकाउंट फालो किया. एक माह तक टिकटॉक पर ही दोनों के बीच हाय-हैलो और बातें होती रहीं. दोनों की सोच समान रहने से धीरे-धीरे प्यार का रंग चढ़ता गया. इसी बीच लताशा का मोबाइल नंबर बदलने पर उसने नया नंबर भेजकर कॉल बैक करने को कहा. धीरे-धीरे एक-दूसरे के साथ बातें की जाने लगीं. मिलिंद और लताशा एक-दूसरे के दिल की बात बिना बताए समझने लगे. ऑनलाइन बातें किए बिना दोनों को अच्छा नहीं लगता था. 10 अगस्त 2019 से शुरु हुआ यह प्यार आगे चलकर शादी के निर्णय तक ले आया. एक माह पूर्व लताशा ने शादी के लिए मिलिंद को प्रपोज किया. जिसे मिलिंद ने हां कहते ही माता-पिता को बताए बिना लताशा मध्यप्रदेश की सीमाएं लांघकर अकेली आर्वी पहुंच गयी. बुधवार, 9 सितंबर को दोनों पहली बार आर्वी बस डिपो में मिले. एक-दूसरे को देखते ही दोनों ने एक-दूसरे को जीवन साथी चुन लिया. गुरुवार 10 सितंबर को यवतमाल पहुंचकर चंद लोगों की उपस्थिति में सत्यनारायण भूत चैरिटेबल ट्रस्ट में दोनों शादी के बंधन में बंध गए. इस बात की जानकारी दोनों ने स्थानीय पुलिस थाने में दी है.

गणेश पोटे ने किया पूर्णा नदी में तैरो आंदोलन

अकोला, प्रतिनिधि, 18 सितंबर- अमरावती जिले के अंबा नाले का पानी पेढ़ी नदी के मार्ग से पूर्णा नदी में आकर मिलता है. इस कारण पूर्णा नदी का पानी प्रदूषित हो रहा है. अकोला जिले में से बहने वाली पूर्णा के पानी का उपयोग नदी तट के हजारों गांव के लोग करते हैं. पूर्णा नदी का पानी दूषित हो जाने के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर खतरा निर्माण हो रहा है. पूर्णा नदी का प्रदूषण तत्काल रोका जाए. इस मांग के लिए

पूर्णा नदी का प्रदूषण रोकने की मांग

हमेशा जनता के हित में अनूठे आंदोलन करने वाले गणेश पोटे ने आज गांधीग्राम की पूर्णा नदी में उतरकर तैरो आंदोलन किया. इस आंदोलन में पूर्व विधायक डॉ. जगन्नाथ ढोणे उनके साथ थे. गांधी ग्राम में भोई समाज ने भी इस आंदोलन में सहयोग किया. पूर्णा नदी का दूषित पानी तथा इससे नदी तट के गांववासियों को होनेवाली बीमारियों को लेकर जनप्रतिनिधियों ने पूर्णा नदी का प्रदूषण रोका जाए, इसके लिए प्रयास भी किए, किंतु शासन ने इस बात की अनदेखी करने से गणेश पोटे ने आज से गांधीग्राम से पूर्णा नदी में तैरो आंदोलन किया. इस आंदोलन में नदी तट के गांव के लोग उनके साथ थे.

111 के अंतिम संस्कार में 2775 किलो गैस का इस्तेमाल

हिन्दू श्मशान भूमि की गैस दाहिनी का 15 दिनों का लेखा-जोखा

एक पार्थिव को जलाने 25 किलो गैस की जरूरत

प्रतिनिधि, 18 सितंबर

अमरावती- कोरोना का कहर दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है. यह केवल शुरुआत है. आने वाले समय में स्थिति और भी भयानक होने की संभावना है.

फिलहाल कोरोना बाधितों के साथ मरने वालों की संख्या यानी 'डेथ रेशो' बढ़ने लगा है. इस कारण हिंदू श्मशान भूमि पर भी तनाव बढ़ने लगा है. जहां हिंदू श्मशान भूमि में अस्थि कलश रखने 200 की क्षमता वाला लॉकर 'फुल' हो चुका है, वहीं गैस दाहिनी में भी फिलहाल अंतिम संस्कार के लिए वेटिंग की स्थिति है. यह समाचार 'प्रतिदिन अखबार' ने प्रकाशित किया था. विगत पखवाड़े में यानी 1 से 15 सितंबर के बीच हिंदू श्मशान भूमि में कुल 111 लोगों पर गैस दाहिनी के माध्यम से अंतिम संस्कार किये गए. इसके लिए करीब 2,775 किलो गैस का इस्तेमाल किया गया.

एक मृत व्यक्ति के शरीर पर अंतिम संस्कार करने के लिए 25 किलो अनुसार 111 व्यक्तियों के पार्थिव पर अंतिम संस्कार के लिए पौने तीन हजार किलो गैस का अब तक इस्तेमाल हुआ है.

रोटरी क्लब ऑफ अमरावती की ओर से हिंदू श्मशान भूमि को दो गैस दाहिनी उपलब्ध करवाई गई हैं. 'इको फ्रेन्डली' अंतिम संस्कार हो सके, इसके लिए इस संकल्पना को साकार किया गया था. पेड़ों की बढ़ती कटाई, लकड़े की किल्लत, समय का दुरुपयोग जैसी बातों को ध्यान में रखते हुए हिंदू श्मशान भूमि को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी. 'अंतिम संस्कार' यह लोगों की भावनाओं से जुड़ा विषय है. फिर भी इस विषय से संबंधित दृष्टिकोण बड़ा है. अब लोगों का गैस दाहिनी को भरपूर प्रतिसाद मिल रहा है. रेखा गैस एजेन्सी द्वारा गैस दाहिनी की सिलेंडर का सप्लाय किया जाता है. फिलहाल गैस आपुर्ति उचित मात्रा में हो रही है.

गैस की मांग बढ़ी

अब तक के कार्यकाल में केवल जून माह में गैस दाहिनी पर प्रचंड तनाव देखा गया. इससे पूर्व गैस दाहिनी में हर मा केवल 50 मृतकों का अंतिम संस्कार किया जाता था. इस कारण प्रति व्यक्ति 25 किलो अनुसार गैस लगती थी, जो 1250 किलो के आसपास होती थी. लेकिन अब 'डेथ रेशो' बढ़ने से गैस दाहिनी पर बोझ बढ़ने लगा है. साथ ही गैस की मांग भी बढ़ने लगी है. लेकिन अब गैस दाहिनी को सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो रहे हैं, यह जानकारी सचिव राजू मुंदड़ा ने

गैस दाहिनी दुरुस्ती से चिंता मिटी

हिंदू श्मशान भूमि में दो गैस दाहिनी हैं, जिसमें कोरोना बाधित मरीजों का मृत्यु पश्चात अंतिम संस्कार किया जाता है. एक व्यक्ति के शरीर का अंतिम संस्कार करने में दो से ढाई घंटे का समय लगता है. फिलहाल डेथ रेशो बढ़ने से मृतकों के परिजनों को वेटिंग पर रहना पड़ रहा है. मंगलवार को एक गैस दाहिनी बंद हुई थी. जिसे सुधारने के लिए समिति ने मुम्बई के टेक्निशियन को आनन-फानन में अमरावती बुलाया. कम्पनी के कर्मचारी ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल शहर में पहुंचकर गैस दाहिनी दुरुस्त की. जिससे गुरुवार से दाहिनी का काम शुरु हुआ.